नाव में MANGROVE वन यात्रा - एक अनोखा अनुभव

- वै. आर. सत्याजी राव
वैज्ञानिक ई-1
- यू०वी०एन०राव
वरिष्ठ शोध सहायक, काकीनाड़ा

आप यह पढ़कर आश्चर्यचकित होंगे कि वन में नाव यात्रा कैसे हो सकती है. आम वनों में तो यह सम्भव नहीं है लेकिन MANGROVE वन में यात्रा नाव से ही हो सकती है. इसका कारण यही है कि यह क्षेत्र हमेशा गीला रहता है और इन वनों में चलना सम्भव नहीं है. यहाँ पर नदियों की छोटी-छोटी धाराओं को सड़क की तरह माना जाता है और ये नावों के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराती है.

चारों तरफ हरियाली, कई तरह के पक्षी, छोटे-छोटे जानवरों के ध्वनि-प्रतिध्वनि से मन प्रफुल्ल हो जाता है. ऐसा लगता है कि जैसे हम एक खजाने की खोज में गुजर रहे हैं. जो लोग अक्सर रेल या बस से यात्रा करते हैं उनको MANGROVE वन दिखाई नहीं देते हैं. ये वन नदी का मुखद्वार तटवर्ती इलाकें, SALT- ERESH WATER की संगम क्षेत्र में प्राप्त होता है. केवल देखने के लिये नहीं, इन वनों के बहुत सारे प्रयोजन भी है. बाढ़ के समय भूमि अपरदन रोकने में ये वन बहुत सहायक सिद्ध होते हैं. तटवर्ती इलाकों की रक्षा करने में MANGROVE वन मुख्य भूमिका निभाते हैं. तटवर्ती इलाकों मे प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र नियंत्रित करता है. ये वन तूफान के समय उत्पन्न हुए बाढ़ एवं तेज हवाओं की तीव्रता को कम करने में मददगार होते हैं. इसमें पक्षी, FLORA- FAUNA (पेड़-पौधे-जन्तु वर्ग) केंकड़ा खाने वाला बंदर FISHING CATS आदि जीवराशियों के लिये सुरक्षित घर एवं स्वर्ग माना जाता है. LOW-TIDE (भाटा) के समय में ये पेड़ की जड़ स्थिरता इस प्रकार दिखाई देता है कि जैसे कोई भी खतरे का सामना करने के लिये तैयार खडे हैं. इंडोनेशिया में पुरा विश्व का एक चौथाई वन देखने को मिलता है. ये वन का पुनरूज्जीवन के समय पेड़ से फल गिरने एवं मिट्टी के साथ मिलने पर निर्भर करता है. NORTH QUEENSLAND MANGROVE वन का मिट्टी को एक चम्मच में लेकर सूक्ष्मदर्शी में जाँच करेंगें तो लगभग 10 billion Bacteria दिखाई देंगे. वैज्ञानिकों का मानना है कि इस से ज्यादा बैक्टीरिया दुनिया में किसी भी जगह पर नहीं हो सकते हैं. इस तरह का सहज वन एक बार देखेंगें तो प्रकृति की विशिष्टता एवं महानता हमको समझ में आएगी. सुदूर संवेदन छायाचित्र (FCC) में MANGROVE वन लाल गुलाब समूह समुन्दर किनारें पर बहुत सुन्दर रूप से दिखाई देते हैं. भारत देश में यह वन गंगा, महानदी, गोदावरी,कृष्णा और कावेरी के मुखद्वार अतः डेल्टाई क्षेत्र में सहन सिद्ध रूप में उपलब्ध हैं. पश्चिम बंगाल में सुन्दरवन, उड़ीसा में भितर कनिका, आन्ध्र प्रदेश में कोंरिंगा, दिवि और तमिलनाडु में पिय्यवरम वन भारतवर्ष के सुप्रसिद्ध MANGROVE वन माना जाता है.

MANGROVE वन की आवश्यकता ORISSA SUPER CYCLONE के बाद लोग महसूस करने लगे और इन वनों का संरक्षण का प्रस्ताव किया था. डॉ० एम०एस० स्वामीनाथन, अनुसंधान परिषद (MSSRE) चेन्नई, इन MANGROVE वनों का क्षेत्रफल बढ़ाने एंव संरक्षण के लिये और उन वनों की आवश्यकता आम जनता तक पहुँचाने के लिए विशिष्ट रूप से प्रयत्नशील है. MANGROVE वन के बारे में जानकारी आप तक पहुँचाने के लिए यह एक छोटा सा प्रयास है.

* * * * *